MOTION FOR ELECTION TO THE COUNCIL ESTABLISHED UNDER SECTION 31(1) OF THE INSTITUTES OF TECHNOLOGY ACT, 1961

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): Sir, I beg to move the following motion:

> "That in pursuance of clause (k) of sub-section (2) of Section 31 read with sub-section (1) of Section 32 of the Institutes of Technology Act, 1961 (59 of 1961), this House do proceed to elect, in such manner as the Chairman may direct, one Member from among the Members of the House to be a Member of Council established under-section (1) of Section 31 of the said Act."

The question was put and the motion was adopted.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Special Mentions... (*Interruptions*)...

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, I have a small submission... (*Interruptions*)....

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Leader of the Opposition.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Alleged violation of Code of Conduct by a Minister of the Union Cabinet

विपक्ष के नेता (श्री जसवन्त सिंह): आदरणीय उपसभापति जी, मुझे आप से एक अर्ज करनी है। जहां तक आचार संहिता का प्रश्न है, वैसे तो इसके बारे में हम सभी जानते हैं। मैं चुनावी आचार संहिता के बारे में ही नहीं कह रहा हूं, बल्कि मैं अपनी एक बात आपके सामने रखता चाहता हूं। जैसे हमारे सभी सांसदों की एक आचार संहिता है, उसी रूप में, उसी के तहत, उसी की देख-रेख के लिए और उसमें कुछ औपचारिकताएं, कुछ मापदंड बैठाने के लिए, माननीय महाराज कश्मीर की अध्यक्षता में एक एथिक्स कमेटी भी बनी है। जैसे सांसदों पर आचार संहिता के लिए एथिक्स कमेटी है और जैसे आचार संहिता का प्रश्न उठा है, मेरे विचार में उसी प्रकार से मंत्रियों पर भी आचार संहिता लागू होती है। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: बोलने दीजिए।

श्री जसवंत सिंह: मैंने स्वयं नहीं देखा है, इसलिए मैं यह नहीं कह सकता कि मैंने देखा है, लेकिन हमारे कई मित्रों को अखबार में पढ़ने को मिला है। चूंकि सुबह के वक्त से ही इतना कोहरा था इसलिए सवेरे अखबार पढ़ने के अलावा और कोई काम ही नहीं था। फिर हमको ऐसा बताया गया

कि कोई माननीय मंत्री अपने क्षेत्र में पैसा बांट रहे थे। चाहे यह मामला एथिक्स कमेटी का हो या आचार संहिता का हो, जब यह प्रश्न उठता है तो निश्चित रूप से हमें चिंता होती है। अगले दिन जब यह प्रश्न उठा था तो बहुत संकोच के साथ हमने प्रधान मंत्री जी से निवेदन किया था कि हमें बता दिया जाए कि यह क्या हो रहा है? इसके बाद यहां पर प्रधान मंत्री जी पधारे थे। यह उनका बड़प्पन है, जो उन्होंने कहा है मैंने उन मंत्रियों से पूछ लिया है और वे कह रहे हैं कि ऐसा कुछ नहीं है। हमने कहा चलिए, अलग कुछ नहीं है तो फिर आगे चलिए। ऐसा कुछ नहीं है, कल वाली बात अभी बीती ही नहीं थी कि फिर से मामला खड़ा हो गया। यह इस सत्र का आखिरी हफ्ता है, हम प्रधान मंत्री जी को बार-बार तकलीफ नहीं देना चाहते, लेकिन जब आचार संहिता के इस प्रकार के सवाल बार-बार उठें तब या तो प्रधान मंत्री जी आकर कहें कि आप लोग उस तरफ ध्यान मत दीजिए, ऐसा कुछ इलाज करें, या फिर आप संरक्षण ...(व्यवधान)... या सदर साहब, आप डायरेक्ट ऐसा कुछ हुक्म दें कि एथिक्स कमेटी इसे देखे, ताकि हम उनके दरवाजे पर दस्तक दें। रोज-रोज बार-बार आपके दरवाजे पर इस किस्म से यह बात उठाना सही नहीं होता है। मैं ज्यादा नहीं कहना चाहता, क्योंकि अभी हाल ही में हमने देखा, हमारी डिप्टी लीडर फरमाईं, हमारे एक बहुत अजीज़ संसदीय मंत्री रस्साकशी में लगे थे, उनकी रस्साकशी की कुछ तस्वीरें भी आईं। हमारा मकसद यह नहीं है कि वे अपने किसी मंत्री के साथ रस्साकशी में लग जाएं, परंतु यह हम जरूर चाहते हैं कि इसके बारे में वे सफाई दें। इस बात की सफाई हो जाए, मैं इसका निवेदन कर रहा हूं।

डा॰ कर्ण सिंह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): उपसभापति जी, मेरी प्रार्थना है कि राजा-महाराजाओं का युग बीत गया, मुझे यदि डा॰ कर्ण सिंह ही कहें, तो बहुत कृपा होगी।

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया (झारखंड): उपसभापति महोदय, यह बात बड़ी गंभीर है, इसे हल्का नहीं लेना चाहिए।...(व्यवधान)... तीन विकल्प रखे गए हैं ...(व्यवधान)... एक सीनियर मंत्री और चुनाव की आचार संहिता ...(व्यवधान)... सरकार मूकदर्शक बनकर बैठी रहे ...(व्यवधान)... और सरेआम रुपए बांटे जायें ...(व्यवधान)... मंत्री जी कुछ बोलना चाहते हैं ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : बैठिए ...(व्यवधान)... बैठिए ....(व्यवधान)... पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर कुछ बोलना चाहते हैं।

†**संसदीय कार्य मंत्री तथा शहरी विकास मंत्री (श्री गुलाम नबी आज़ाद)**: उपसभापति जी, लीडर ऑफ दि अपोजिशन ने यह मुद्दा उठाया है, हम इसकी जानकारी लेंगे। यह लीडर ऑफ दी अपोजिशन का बड़प्पन है कि उन्होंने इसकी चर्चा नाम से नहीं की, मैं उनसे नाम लेकर इसके बारे में मालूम करूंगा और हाउस को जानकारी दूंगा।

---

†Transliteration of Urdu Script.

وزیر برائے پارلیمانی امور (غلام نبی آزاد) : آپ سجاپتی جی، لیڈر آف دی اپوزیشن نے یہ مدعا اٹھایا ہے، ہم اس کی جانکاری لیں گے۔ یہ لیڈر آف دی اپوزیشن کا بڑا پن ہے کہ انہوں نے اس کی چرچا نام سے نہیں کی، میں ان سے نام لیکر اس کے بارے میں معلوم کرونگا اور باؤس کو جانکاری دونگا۔

श्री कृपाल परमार (हिमाचल प्रदेश) : यह टी.वी. में था ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: ठीक है, हो गया।

Incidence of burglary in MPs' apartments

SHRI DINESH TRIVEDI (West Bengal): Thank you, very much Mr. Deputy Chairman, Sir. First of all, I raise an issue which concerns not only this House but also the entire country. Sir, I am referring to ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Just conclude it.

SHRI DINESH TRIVEDI: I will be very short, Sir. I promise I won't take more than two minutes. Sir, I refer to the widely-publicised news item on the burglary in the houses of Members of Parliament in the wee hours of Sunday morning. Sir, the details have already been published. I don't want to get into that. But, it raises three issues, which I will mention here very shortly. The South Avenue is very close to the Rashtrapati Bhavan and the Prime Minister's residence. So, the issue is, on one side, if this can happen to the Members of Parliament in high security zone, then, it can very well happen to any common man. Sir, between a common man and the Rashtrapati Bhawan and the Prime Minister's office, if this kind of incidences can happen, then, it is a matter of concern. If a burglar can get into an MP's house, five or four MPs at a time, he can very well get into for the purpose of killing as well. Sir, I don't want to apportion the blame on anybody. On the contrary, I want to thank Shri Shivraj Patilji, the hon. Home Minister. He immediately called us. Whatever he could do, he did. Sir, the question is, it is a collective responsibility. I don't even want to blame the police. I think, we as Members of Parliament, also have a lot of responsibility, like who are there in the guest accommodation, etc. ...(*Interruptions*)